medicines are issued to CGHS beneficiaries for a week at a time except in T.B. and Epilepsy cases where it is issued for one month and a fortnight respectively. In cases, where the specialists prescribe medicines for a longer period the same are supplied for one week at a time. The reason being (i) the medicines may not suit the patients and the specialist may change the prescription after some time and (ii) medicines like capsules etc. are hygroscopic and unless kept properly in air-tight containers may get spoiled. In either of the above cases, the medicines dispensed for longer periods may go waste.

Medicines are issued to patients for four weeks if they have to proceed out of station or on such reasonable grounds for which sanction is accorded by the competent authority.

दक्षिण भारत में हिन्दी माध्यम का विश्व-विद्यालय

1022. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री :** क्या **शिक्षा समाज कल्याण तथा संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने दक्षिण भारत में हिन्दी माध्यम के विश्वविद्यालय की स्थापना करने के विचार को छोड़ दिया है;

(ख) क्या सम्बन्धित राज्य सरकारों ने इस सम्बन्ध में सुविधाएं उपलब्ध कराने और इसमें सक्रिय सहयोग देने का आश्वासन केन्द्रीय सरकार को दिया था; और

(ग) यदि हां, तो उक्त विश्वविद्यालय की स्थापना में होने वाले विलम्ब के क्या कारण है ?

i Hindi medium University in South India

1022. SHRI PRAKASH VIR SHAS-TRI: Will the Minister of EDUCATION SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state:

(a) whether Government have dropped the idea of setting up a university with Hindi medium in South India;

(b) whether State Governments concerned had assured the Central Government for providing facitities and for extending active co-operation in this regard; and

(c) if so, what are the reasons for delay in setting up the said University?]

शिक्षा, समाज कल्याण तथा संस्कृति मंत्री **(प्रो० एस० नूरुल हसन) :** (क) से (ग) दक्षिण-भारत में हिन्दी माध्यम के एक विश्व-विद्यालय को स्थापित करने के एक प्रस्ताव को कई वर्ष पूर्व प्रस्तुत किया गया था । इस सम्बन्ध में मैसूर (अब कर्नाटक) सरकार ने इस प्रस्तावित विश्वविद्यालय के लिए भू-खंड प्राप्त करने की पेशकश की थी । उक्त प्रस्ताव पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के परामर्श से ध्यानपूर्वक विचार किया गया था और अन्य बातों के साथ-साथ यह अभिमत था कि ऐसे क्षेत्र में विशुद्ध हिन्दी माध्यम वाले विश्वविद्यालय की स्थापना, जो प्रादेशिक भाषाओं और अंग्रेजी को छोड़कर हिन्दी में सिखाना, राष्ट्रीय एकता की दृष्टि से वांछनीय नहीं होता । अत : इस प्रस्ताव को छोड़ दिया गया था ।

लोक सभा में 15 मई, 1970 को पूछे गये अतारांकित प्रश्न संख्या 9919 के उत्तर में (प्रतिलिपि संलग्न) शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय में राज्य मंत्री ने यह बताया था कि देश में हिन्दी विश्वविद्यालय को आरंभ करने का कोई प्रस्ताव नहीं था ।

मैसूर राज्य में हिन्दी विश्वविद्यालय की स्थापना

9919. **श्री एस० ए० अगाडि :** क्या **शिक्षा, और युवा सेवा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश में हिन्दी विश्वविद्यालय स्थापित करने का कोई प्रस्ताव है ;

(ख) क्या यह सच है कि मैसूर हिन्दी प्रचार सभा ने मैसूर राज्य में हिन्दी विश्वविद्यालय स्थापति करने की जिम्मेदारी लेने की पेशकश की थी ; और

t [ ] English translation.

(ग) यदि हां, तो सरकार का निर्णय क्या है और इस विश्वविद्यालय को स्थापित करने के लिए निर्धारित धनराशि क्या है ?

शिक्षा तथा युवा-सेवा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भक्त दर्शन) : (क) जी, नहीं ।

(ख) मैसूर हिन्दी प्रचार सभा से ऐसा कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता । मैसूर में अथवा अहिन्दी भाषी राज्यों के किसी अन्य भाग में हिन्दी माध्यम विद्यालय खोलने के लिए 1970-71 के दौरान अथवा चौथी पंचवर्षीय योजना में कोई विशेष धनराशि निर्धारित नहीं की गई है ।

tITHE MINISTER OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE (PROF. S. NURUL HASAN): (a) to (c) A proposal for establishing a Hindi medium University in South India was mooted several years ago. In this connection, the Government of Mysore (now Karna-taka) had offered to find land for the proposed University. The proposal was carefully considered in consultation with the University Grants Commission and it was felt, *inhr-alia* that the establishment of a purely Hindi medium University in the area which taught in Hindi to the exclusion of the regional languages and English might not be desirable from the point of vew of national integration. The proposal was, therefore, dropped.

In reply to Unstarred Question No. 9919 answered on May 15, 1970 in the Lok Sabha (copy attached), the Minister of State in Ministry of Education and Youth Services had stated that there were no pro-posal to start Hindi University in the country.

Setting up of Hindi University in Mysore State

9919. SHRI S. A. AGADI: Will the Minister of EDUCATION AND YOUTH SERVICES be pleased to state:

(a) whether there is any proposal to start Hindi University in the country;

(b) whether it is a fact that the Mysore Hindi Prachar Sabha has offered to take over the responsibility of starting the Hindi University in Mysore State; and

(c) if so, what is the decision of Gov-ernment and the amount of funds earmarked for starting this University?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EDUCATION AND YOUTH SERVICES (SHRI BHAKAT DARSHAN): (a) No, Sir.

(b) No such proposal has been received from the Mysore Hindi Prachar Sabha.

(c) The question does not arise. No specific funds have been earmarked either dhring 1970-71 or in the Fourth-Five Year Plan for opening a Hindi Medium University in Mysore or for that matter in any other part of the non-Hindi speaking States.[!],

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पुस्तकालय से दस्तावेजों का गायब हो जाना

1023. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री** : क्या शिक्षा समाज कल्याण तथा संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पुस्तकालय से कुछ ऐतिहासिक दस्तावेज गायब हो गए हैं ;

(ख) यदि हां, तो उन ऐतिहासिक दस्तावेजों की संख्या कितनी है तथा वे किस काल के हैं ; और

(ग) क्या सरकार को भी 1962 के भारत-चीन युद्ध के पश्चात् उक्त विश्वविद्यालय से कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेजों के गायब हो जाने के सम्बन्ध में कोई सूचना प्राप्त हुई थी ?

t[Documents missing from Aligarb Muslim University library

11023. SHRI PRAKASH VIR SHAS-TRI: Will the Minister of EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased, to state:

t[ ] English translation.